हिंदी विभाग

राजकीय महाविद्यालय चौपाल, शिमला, (हिमाचल प्रदेश) पाठयक्रम परिणाम (सत्र - 2024-25)

क्र० सं०	कोर्स शीर्षक	पाठयक्रम कोड	कक्षा	पाठयक्रम परिणाम
1	प्रयोजनमूलक हिंदी	HIND101	बी० ए०/बी० कॉम० प्रथम वर्ष	इस पाठयक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी सामान्यतः हिंदी में कार्यालयी कार्य के लिए व्यवहारिक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे तथा कार्यालयी कार्य में निपुणता प्राप्त कर सकेंगे। इस विषय को पाठयक्रम में रखने का मुख्य प्रयोजन यह भी है कि विद्यार्थी रोजगार की दृष्टि से भी अपने को सुदृढ़ बना सकेंगे। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में हिंदी विषय से संबंधित प्रश्नों को सुगमता से हल कर लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे तथा कार्यालयी गतिविधियों को भली प्रकार सीख सकेंगे। इसलिए इस पाठ्यक्रम में कार्यालयी शब्दावली जैसे - प्रारूपण, टिप्पण, प्रतिवेदन, पत्राचार आदि से संबंधित विभिन्न पहलुओं को स्थान दिया गया है। भाषिक क्षमता में विकास एवं वृद्धि के लिए व्याकरण के सामान्य नियमों को स्थान दिया गया है। साथ ही साथ अनुवाद, कार्यालयी अनुवाद, देवनागरी लिपि के बारे में भी विस्तार से जानकारी के अतिरिक्त वर्तमान समय में कंप्यूटर के हिंदी प्रयोग आदि विषयों पर भी विद्यार्थी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2	हिंदी साहित्य का इतिहास	HIND102	बी० ए० प्रथम वर्ष	यह पाठयक्रम उन विद्यार्थियों के लिए बनाया गया है, जिन्होंने मुख्य विषयों में से एक के रूप में हिंदी का चयन किया है। इस पाठयक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आरंभिक काल से लेकर आधुनिक काल तक के इतिहास को समझ पाएंगे। हिंदी साहित्य के इतिहास को चार कालखंडों में बांटा गया है और विद्यार्थी पाठ्यक्रम की चारों इकाइयों में इस बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। हिंदी साहित्य के प्रारंभ से लेकर जिसे सामान्यतः आदिकाल कहा जाता है, अब तक की राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आदि कारको में हिंदी साहित्य में क्या परिवर्तन हुए और क्यों हुए? इसकी गहन जानकारी विद्यार्थियों को देना और हिंदी साहित्य के क्रमिक विकास एवं प्रवृतियां की समझ विकसित करना इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।
3	मध्यकालीन हिंदी कविता	HIND103	बी० ए० प्रथम वर्ष	यह पाठयक्रम उन विद्यार्थियों के लिए बनाया गया है, जिन्होंने मुख्य विषय में से एक के रूप में हिंदी का चयन किया है। इस पाठ्यक्रम को

				पढ़ने के बाद विद्यार्थी मध्यकाल अर्थात भक्ति काल एवं रीतिकाल के प्रमुख चार-चार कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। पाठ्यक्रम में निर्धारित पद्य अथवा पद्यांशों की व्याख्या को समझते हुए हिंदी साहित्य की प्रारंभिक प्रकृति, प्रवृत्तियां और विशेषताओं को और अधिक गहनता से समझ पाएंगे। चयनित कवियों का उस कालखंड के साहित्य में क्या महत्व है ? यह जानकारी भी विद्यार्थी प्राप्त कर सकेंगें।
4	हिंदी भाषा और संप्रेषण	HIND104	बी० ए० प्रथम वर्ष	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थियों में हिंदी भाषा की सूक्ष्म एवं विस्तृत जानकारी को प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। हिंदी भाषा की वर्ण व्यवस्था का वैज्ञानिक ज्ञान विद्यार्थी प्राप्त कर सकेंगे। भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं भाषा के विविध रूपों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और भाषा की विशेषताएं, मनुष्य के जीवन में भाषा के महत्व का ज्ञान भी प्राप्त कर सकेंगे। हिंदी की वर्ण व्यवस्था के अंतर्गत स्वर एवं व्यंजन के विविध प्रकार एवं वर्णों के उच्चारण स्थान आदि का वैज्ञानिक विवरण विद्यार्थी प्राप्त कर सकेंगे। भाषा संप्रेषण के मुख्य चरण तथा हिंदी में वाक्य रचना, वाक्य भेद, वाक्य का रूपांतरण आदि की विस्तृत जानकारी विद्यार्थी प्राप्त कर सकेंगे।
5	अनिवार्य हिंदी ‘रचना पुंज’	HIND201	बी० ए०/बी कॉम० द्वितीय वर्ष	यह पाठ्यक्रम बी० ए० और बीकॉम० के सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य रूप से रखा गया है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थियों को साहित्य के सामान्य अनुभव से गुजरने का अवसर प्राप्त होगा। अपनी रुचि और अध्ययन की प्राथमिकताओं के अनुरूप वे जो कुछ भी इस पाठ्यक्रम में पढ़ेंगे उससे उनके साहित्यिक ज्ञान एवं दृष्टि, सोच और समझ को विकसित करने का अवसर प्राप्त होगा। जिससे विद्यार्थियों में गुणात्मक परिवर्तन आएगा। विद्याथियों में जीवन के प्रति अधिक जागरूकता और संवेदनशीलता का विकास होगा। इसी कारण इस पाठ्यक्रम में कविताएँ, कहानियाँ और अन्य गद्य विधाओं का चयन किया गया है। विद्यार्थियों में साहित्य की एक सामान्य समझ एवं समग्र जीवन के प्रति संवेदनात्मक और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो सकेगा।
6	आधुनिक हिंदी कविता	HIND202	बी० ए० द्वितीय वर्ष	यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आधुनिक कालीन कविता की मूल संवेदना से अवगत करासकेंग। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी

				आधुनिक काल के प्रवर्तक भारतेंदु हरिश्चंद्र के साथ-साथ इस दौर के अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' से लेकर नई कविता तक के प्रमुख कवियों की महत्वपूर्ण कविताओं के माध्यम से हिंदी की आधुनिक कविता की संवेदना को समझने में सहयोग करता है। आधुनिक काल की कविताओं की विविध काव्य धाराओं का अनुशीलन करवाते हुए इस समय के कवियों की काव्य प्रवृतियाँ एवं कवियों का योगदान आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इस काल के कवियों की विशिष्ट संवेदना, काव्य दृष्टि एवं अभिव्यक्ति कौशल से विद्यार्थी भली - भांति अवगत हो सकेंगें।
7	हिंदी गद्य साहित्य	HIND203	बी० ए० द्वितीय वर्ष	हिंदी में गद्य का विकास मुख्यतः आधुनिक काल की देन माना जाता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थियों को गद्य की विविध विधाओं जैसे- कहानी, निबंध, उपन्यास आदि से परिचय प्राप्त होगा और पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास कहानी और निबंध का पाठगत अध्ययन करते हुए उसका कलात्मक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इन विधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन की व्यापकता में सूक्ष्मता से समझने का प्रयास कर सकेंगे तथा गद्य की इन विधाओं की समीक्षा की योग्यता का विकास कर सकेंगे।
8	कार्यालयी हिंदी	HIND204	बी० ए० द्वितीय वर्ष	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी भाषा के रूप में हिंदी भाषा की स्वरूपगत विशेषताओं की पहचान करते हुए भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संचार भाषा, जनभाषा आदि के रूप में हिंदी की विकास यात्रा से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे। कार्यालय स्तर पर भाषा के व्यावहारिक प्रयोग के लिए आवश्यक क्षमता तथा भाषाई कौशल का विकास कर सकेंगे। हिंदी भाषा के प्रयोग के लिए नवीनतम यांत्रिक उपकरणों के अनुप्रयोग के संबंध में भी जानकारी प्राप्त करना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है।
9	अनुवाद विज्ञान	HIND206	बी० ए० द्वितीय वर्ष	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी वर्तमान समय में अनुवाद की आवश्यकता के महत्व को समझते हुए अनुवाद विज्ञान की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही साथ अनुवाद के विविध पहलुओं से अवगत हो सकेंगे जैसे- अनुवाद से अभिप्राय, अनुवाद के स्वरूपगत भेदों की जानकारी, अनुवाद के विषयगत विविध प्रकारों जैसे- कार्यालय, साहित्यिकी, विज्ञान परक, विधिक, वाणिज्य

				आदि के बारे में सूक्ष्म और विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अनुवाद के लिए तकनीकी शब्दावली अनुवाद, मुहावरे और लोकोक्तियों के अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद तथा भाषा के लाक्षणिक और व्यंजना परक प्रयोग से अनुवाद में आने वाली समस्याओं को समझते हुए अनुवाद के लिए आवश्यक योग्यता विकसित कर सकेंगे। विश्व भाषाओं की प्रमुख कृतियों के हिंदी अनुवाद तथा हिंदी की प्रमुख कृतियों के विश्व भाषाओं में किए गए अनुवाद की सम्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अनुवाद के क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न संस्थाओं के संदर्भों की जानकारी और अनुवाद के महत्व का प्रतिपादन विद्यार्थी कर सकेंगे।
10	रंग आलेख एवं रंगमंच	HIND301	बी० ए० तृतीय वर्ष	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी नाटक विधा की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। जिसमें नाटक के प्रमुख प्रकारों की विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। भारतीय नाट्यशास्त्र का इतिहास एवं नाट्य लेखन के इतिहास की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियां जैसे - सामाजिक, सांस्कृतिक आदि का विस्तृत अवलोकन कर सकेंगे। हिंदी के प्रमुख नाटक और नाटककारों की जानकारी प्राप्त करते हुए रंगमंचीय प्रमुख रूप - जैसे शौकिया मंच ,व्यावसायिक मंच इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएंगे। भारत की प्रसिद्ध रंग शालाओं और संस्थाओं की जानकारी के साथ- साथ नाट्य शिल्प पक्ष की जानकारी भी विद्यार्थी प्राप्त कर सकेंगे। जिसके अंतर्गत निर्देशन, अभिनय, रंग आलेख और रंगमंचीय भाषा प्रविधि की सूक्ष्म जानकारी प्राप्त करते हुए रंगमंच की समीक्षा की बारीकियां को भी समझ सकेंगे।
11	समाचार संकलन और लेखन	HIND304	बी० ए० तृतीय वर्ष	इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी समाचार की अवधारणा का ज्ञान प्राप्त करते हुए संचार के प्रमुख तत्वों, समाचार के प्रमुख स्रोतों, समाचार की संग्रह पद्धति और लेखन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। समाचारों के मुख्य वर्गीकरण, संवाददाता की भूमिका, अर्हता, व्यवहार संहिता आदि को समझते हुए रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त समाचारों के पुनर्लेखन की विस्तृत जानकारी तथा समाचारों के शीर्षक, अर्थ और उसके महत्व को समझते हुए रिपोर्टिंग की विशेषता, गुण एवं भाषा शैली के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

12	लोक साहित्य	HIND305	बी० ए० तृतीय वर्ष	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी लोक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप को समझते हुए लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य के मूल संबंध तथा लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया एवं लोक साहित्य के संकलन की समस्याओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अपनी प्राचीन संस्कृति से जुड़कर सुखद अनुभव भी करेंगे। लोक साहित्य के विविध रूप जैसे- लोकगीत, लोक नाटक, लोक गाथा, लोककथा आदि का विस्तृत ज्ञान अर्जित कर पाएंगे। लोकगीत एवं लोक नाटक के विविध भेदों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। लोक कथा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त कर उनकी कथानक एवं रूढ़ियों से अवगत होकर लोक गाथा की परंपरा और उसकी सामान्य विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। हिमाचली लोक संस्कृति से संबंधित विविध लोक गाथाओं की मूल संवेदनाओं को समझ पाएंगे तथा अपनी संस्कृति से जुड़ पाएंगे। अपनी जड़ों की मूल संवेदना की पहचान कर उनसे लगाव उत्पन्न कर पाएंगे।
13	छायावादोत्तर हिंदी कविता	HIND306	बी० ए० तृतीय वर्ष	इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी छायावादोत्तर कविता के अंतर्गत आने वाली प्रतिवादी चेतना और प्रयोगवादी चेतना से जुड़कर इस कालखंड के प्रमुख कवियों की काव्य प्रवृत्तियाँ एवं उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे। चयनित कविताओं के माध्यम से कविता की व्याख्या एवं कविता की मूल संवेदना का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। छायावाद के बाद के समय की साहित्यिक संवेदनाओं और प्रवृत्तियों की समझ विकसित कर सकेंगे।
14	आधुनिक भारतीय साहित्य	HIND307	बी० ए० तृतीय वर्ष	इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी - स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण की अवधारणा से अवगत हो पाएंगे और यह भी जान पाएंगे कि स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण का हिंदी साहित्य एवं अन्य भाषाओं के साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा। विद्यार्थी महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद की विचारधारा को सारभूत रूप में ग्रहण कर पाएंगे एवं उनके विचारों ने भारतीय साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया, यह जानकारी भी विद्यार्थी प्राप्त कर पाएंगे। अनंत मूर्ति के उपन्यास 'संस्कार' का अध्ययन करते हुए विद्यार्थी समाज में धर्म एवं जाति - पाँति व्यवस्था के मर्म को समझते हुए मानवीय मूल्यों की पहचान कर पाएंगे। रविंद्र नाथ टैगोर की प्रसिद्ध रचना 'गीतांजलि' से चयनित

				कविताओं के माध्यम से टैगोर के काव्य की तात्विक समीक्षा एवं आंतरिक संवेदना को समझ पाएंगे। विजय तेंदुलकर के चर्चित नाटक 'घासीराम कोतवाल' के माध्यम से सामंती व्यवस्था की कमजोरियों को समझते हुए मानवीय मूल्यों की ठीक - ठीक पहचान करने में सक्षम होंगे।
15	सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	HIND308	बी० ए० तृतीय वर्ष	इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन की मुख्य विधाओं जैसे- रिपोतार्ज, फीचर लेखन, साक्षात्कार एवं स्तंभ लेखन से जुड़े विविध पहलुओं को गहराई से समझ पाएंगे। सृजनात्मक लेखन से संबंधित दृश्य सामग्री जैसे- छायाचित्र, कार्टून, रेखा चित्र, ग्राफिक्स आदि से संबंधित लेखन के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएंगे। सृजनात्मक लेखन के विशेषज्ञता वाले विविध क्षेत्रों जैसे- आर्थिक पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता आदि की गहन जानकारी प्राप्त कर पाएंगे तथा बाजार, खेलकूद, फिल्म एवं कला से संबंधित लेखन की समीक्षा के विविध पहलुओं को समझते हुए, समीक्षा हेतु आवश्यक कौशल एवं क्षमता को विकसित कर पाएंगे।